# शिष्यता के अनिवार्य तत्व

## आत्मिक जीवन के लिए अनिवार्य तत्व
## अगुवों की मार्गदर्शिका

# पारिवारिक जीवन
## अध्याय 7 : मसीही परिवार का चुनौतियों से सामना

## परिचय

पारिवारिक जीवन नामक यह अध्याय शिष्यता के अनिवार्य तत्व मॉड्यूल का एक भाग है। अध्यायों की यह श्रृंखला घर की अगुवाई करने के उन आत्मिक सिद्धान्तों पर मनन करता है जो हमारी स्वस्थ्य मसीही परिवार बनाने में सहायता करते हैं। इसका प्रारम्भ बाइबल आधारित बुनियादी तत्वों की समझ से होता है, और जो आगे बढ़कर विवाह के लिए तैयार होना, जीवन साथी के बीच स्वस्थ पारस्परिक समझ, पूँजी का प्रबन्ध तथा बच्चों की अगुवाई के बारे में शिक्षा प्रदान करती है। इस श्रृंखला के आधार पर आत्मिक अगुवाई का आरम्भ अपने घर ही से प्रारम्भ होता है, तथा स्त्री व पुरूष की इसमें एक अनोखी भूमिका होती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि वर्तमान संसार में बहुत प्रकार के पारिवारिक तस्वीरें हमारे सामने आती हैं, यह अध्याय परमेश्वर द्वारा तैयार की गयी पारिवारिक तस्वीर को प्रस्तुत करता है। यह अध्याय विवाहित लोगों, अभिभावकों तथा उन जवान लोगों की मदद करेगा जो भविष्य में स्वस्थ्य सम्बन्ध बनाना चाहते हैं।

## अपेक्षित श्रोतागण

इन अध्यायों के लिए अपेक्षित श्रोतागण वे मसीही लोग हैं जो मसीही विश्वास में परिपक्व हो रहे हैं और जो गम्भीरता के साथ परमेश्वर की सेवा करने की इच्छा रखते हैं। इस अध्याय से कलीसिया के उन अगुवों को भी लाभ होगा जो लोगों को ईश्वरीय सम्बन्धों व विवाह तथा परिवार के बुनियादी तत्वों की शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं।

अध्ययन कुँजी का निमार्ण एक अगुवे के रूप में आपकी सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। इन अध्यायों की रूपरेखा को www.dehindi.org पर प्राप्त "शिष्यता के अनिवार्य तत्व की अन्य सामग्री" के साथ उपयोग किया जा सकता है।

---

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing

# पारिवारिक जीवन
## अध्याय 7 : मसीही परिवार का चुनौतियों से सामना

**उददेश्य**

इस अध्याय का उददेश्य उन चुनौतियों पर चर्चा करना है, जिसका सामना हमारा परिवार इस आधुनिक दुनियाँ में करते है और बाइबल उनसे लड़ने के बारे में क्या सिखाती है।.

**अगुवों की टिप्पणी**

यह बड़े आश्चर्य की बात है कि इस संसार मे आप जहाँ कही भी रहते है, प्यार और अपनेपन की जरूरत, लालच जैसी समस्या ताकत और संसारिकता : जैसी चीजे एक समान होती है। दुःख की बात यह है कि हमारी संस्कृति या भाषा, हमारे परिवार इन्हीं के समान बहुत से चुनौतियों का समााना करते हैं! बहुत से जगह परिवारों में सहारा और खुशी के अवसर हमेशा नहीं बनाया जाता है, और सचमुच इन पर हमला किया जा सकता है। यीशु हमें सचेत करते हैं कि इस संसार में हमें क्लेश होंगे। यह अध्याय ऐसे बहुत सारे आम चुनौतियों का जिसका सामना आज मसीह परिवार करते हैं की जाँच करता है। दूसरों की अपेक्षा ये चुनौतियाँ आपके सहभागियों के जीवन में लागू हो सकता है। जो विषय आपके समुदाय को सबसे अधिक प्रभावित करता है, ऐसे विषय का चयन करने में स्वतंत्र महसुस करें। ऐसे समस्यों का सामना करने में जब घबराहट लगता है, तब इस अध्याय के आशा जनक बातों का ध्यान रखें। ऐसे परिवार जो बहुत से संघर्षों से निपट चुकें हैं वे परमेश्वर की सहायता और उसके वचन की अगुवााई के साथ भविष्य में चुनौतियों का सामना करने के लिये उन्हें उत्साहित किया जाता है।

## परिचय

*समूह से पूछने के लिए निम्नलिखित प्रश्नों में से दो या तीन प्रश्नों का चुनाव करें ।*

- क्या आपके आस पास के लोग परंपरागत विवाह और पारिवारिक चलन की इच्छा रखते हैं, या ज्यादातर लोग अपना रास्ता चुन लेते हैं और जैसा जीना चाहते हैं वैसा जीवन ही जीते हैं ?
- वे कौन सी चीजे है जो आपके परिवार के विरूद्ध कार्य करते है और परमेश्वर के स्वरूपता को एक साथ बनाये रखने में मुश्किले खड़ी करते हैं?
- कौन से विषय माता–पिता और बच्चों के बीच में बहस का कारण बन जाते है? क्या आपको लगता है कि यह नई समस्या आज का और इस समय का है, या फिर माता–पिता और बच्चों में हमेशा से बहस होता चला रहा है?
- परमेश्वर का आदर करने वाला और सुखी परिवार के लिये शैतान की धमकी क्या है? परिवाारों को नाश करने के लिये वह इसे क्यों प्राथमिकता देता है?

# अध्ययन

समूह को निम्नलिखित बिन्दुओं की शिक्षा दें.

## सिखाएं:

❖ **साथ मिलकर चुनौतियों का सामना** : मसीही होने के नाते हम सब को कई तरीके से चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अकसर यह कहा जाता है कि हम हर एक को संसार के विरोध, शरीर और शैतान से निपटना पड़ता है। यह परिवारिक इकाईयों के लिये भी सच है जो संघर्षों और चुनौतियों का सामना करते हैं।

- **संसार :** संसार की प्राथमिकताएँ मसीहियों से अलग होते हैं। कुल मिलाकर, संसार शान्ति और प्रेम की संस्कृति है, जिसकी अलग–अलग मान्यताएँ होती है (1 यूहन्ना 2:15–16, यूहन्ना 12:43, इफिसियों 4:17–20)

- **शरीर :** हमारा अपना पाप से भरा स्वभाव अकसर उन लोगों के द्वारा स्पष्ट देखा जा सकता है जो हमारे सबसे करीबी हैं। हम कभी–कभी अपने पुराने पाप से भरे आदतों में गिर जाते हैं, परमेश्वर के द्वारा पुनः नये किये जाने के बावजूद भी (1 पतरस 2:11, रोमियों 7:18)

- **शैतान :** क्योंकि परिवार परमेश्वर के प्रेम और अनुग्रह को दिखाना चाहते हैं और वे सुसमाचार को दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का एक वाहन हैं, बुराइयों की शक्ति उन्हें नष्ट करीने काम करती रहती हैं (1 पतरस 5:8)

हमें अपने परिवार की चुनौतियों का ज्ञात होना चाहिए, और दृढ़ता से एक साथ उनका सामना करना चाहिए। हमारे बच्चों को हानिकारक प्रभावों से दूर रखने के लिये परिवारों को आस पास के दुनियाँ से अलग रहने की परीक्षा हो सकती है इसलिये, हमारे आस पास के लोगों के सामने साक्षी बनना असभव है, यदि वे नहीं देख सकते कि हम कैसे जीते हैं! इसलिये हमें संसार के सुरक्षित रास्तों पर चलना है, परन्तु संसार के नहीं!

- निम्नलिखित वचनों पर विचार करें:
  - रोमियों 12:2
  - यूहन्ना 17:14-15
  - यूहन्ना 15:19
  - याकूब 4:4

❖ **मसीही परिवार का चुनौतियों से सामना :** हम में से हर एक मसीह का स्वरूप प्रकट करने के लिये बुलाया गया है। यह जीवन आसान नहीं है, परन्तु यह बातों का पूरा होना, आनन्द पूर्ण और उददेश्यपूर्ण है! मसीही परिवारों को, संसारिक परिवार से अलग होना चाहिए। यदि हम परमेश्वर के रास्ते पर चलने के बजाए संसार के रास्तों पर चलते हैं, तो अनेक इच्छाएँ उत्पन्न हो जाती है। मसीही परिवार के लिये यही बुद्धिमानी होगी कि वह विरोध का सामना को तैयार रहे, यहाँ तक कि तब भी जब उनके जीने के तरीके से सताव आता है।

- दिए गए चुनौतियाँ संसार भर के मसीही अगुवों के द्वारा देखा गया है, जो लगभग सभी को प्रभावित कर चुका है। जैसा कि आप अपने परिवार की अगुवाई में शामिल होना चाहते हैं, परमेश्वर का उत्तर हर एक चुनौतियों में करने सीखाने के लिये तैयार रहे।

## कार्य :

*वैकल्पिक कक्षा प्रतिभागिता गतिविधि :* प्रतिभागियों को यदि वे बहुत से लोग हो तो 9 समुहों में बाँट दें। एक समुह में कम से कम 3 सदस्य हो। यदि आप इसकी तैयारी समय से पहले करते हैं, आप सामग्री को दे सकते हैं ताकि समुह प्रस्तुतीकरण पर तैयारी कक्षा कि समय बाहर में कर सके, अधिक तीव्रता से शोध को पूरा करने को कहें। प्रत्येक समूहः

- **पढ़ना** बताये गये 'चुनौतियों' में से एक और संलग्न पदों को।
- **शोध करना** कोई भी संपूरक सामग्री आप (अगुवा) दे सकते हैं, जैसे कि आपने समुदाय की सांख्यिकी, समाचार पत्र या घटना लेख, या व्यक्ति अध्ययन।
- **प्रस्तुत** करना समस्या किस प्रकार समस्या आपके समुदाय में मसीही परिवारों में सवयं को प्रकट करता है, और परमेश्वर का वचन इसके विषय में कया कहता है?
- **सलाह** देना संभावित समाधान जिसको मसीह परिवार प्रयोग में ला सकें।

*वैकल्पिकता से, आप एक शिक्षक के रूप में दिये गये सामग्री को स्वयं प्रस्तुत कर सकते है। आपको सांख्यिकी, व्यक्ति अध्ययन पर थोड़ा बहुत शोध करना होगा और अपने समुदाय में से उदाहरण देने होंगे।*

## सिखाएं :

नीचे दिये गये चुनौतियों पर विचार करें जिनका सामना आज मसीही परिवार करते हैं। प्रत्येक चुनौती के लिये पर परिवार पर हुए प्रभाव का जॉच करें, परमेश्वर का वचन क्या कहता है, और सामुहिक चर्चा के लिये कुछ प्रश्नों को तैयार रखें।

### सांसारिक प्रभाव

हमारे चारों ओर रहने वाले लोगों का धर्म हमारे जीवन में आसानी से रिसने लगता है। यहाँ तक कि लोग इंकार करते हैं कि वे धर्म के पीछे चल रहे हैं। यह सच है कि अंधविश्वास, आत्मावाद, नास्तिकता और मानवीय मान्यताएँ ये सभी संसारिक धर्मों का हिस्सा है। संस्कार या धार्मिक रीति रिवाज इस बात का प्रमाण है कि संसारिक मान्यताएँ हमारे घरों में पैठ चुके है।

| **कैसे यह एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा:** |
|---|---|---|
| यदि हम अपना भरोसा मुख्यतः राजनैतिक प्रणाली, अंधविश्वास ?, धार्मिक रिवाजों, भाग्य, दूसरों धर्मों की अपेक्षाओं, या फिर विज्ञान पर रखते हैं, तो हमारे परमेश्वर मांग करता है कि हम अपने सम्पूर्ण हृदय से उस पर भरोसा रखें। बच्चों को देखना चाहिए कि हमारा भरोसा परमेश्वर के ताकत पर है। यदि वे देखते हैं कि हममें अस्थिरता पायी जाती है, तो हम पर से और परमेश्वर पर से उनका वियवास उठ जायेगा। हमारे जीवन में किसी चीज के लिये परमेश्वर को दूसरा स्थान देना उसे बर्दाश्त नहीं होगा। समस्या के समाधान के लिये परमेश्वर की ओर मुड़ने के बजाए किसी और चीज की ओर मुड़ना भी मूर्तिपूजा है। | कुलुस्सियों 2:8-10<br><br>यिर्मयाह 10:2-4<br><br>1 तीमुथियुस 4:7<br><br>व्यवस्थाविवरण 18:10-12 | अपने दैनिक जीवन के आदतों पर विचार करें। क्या आप परमेश्वर से बढ़कर किसी और ताकत पर भरोसा रखते है? क्या आप आत्माओं और दुष्टात्माओं से भयभीत है? क्या आप जन्म कुण्डली या तिथियों या भाग्य पर भरोसा रखते हैं? हमें अपने परिवार के भलाई के लिये पारंपरिक और संसारिक संस्कृति के जगह केवल परमेश्वर पर भरोसा करने की जरूरत है। अपने परिवार को परमेश्वर का आदर करने के लिये सही चीजों का चयन करना सीखाए¡ तब भी जब हमारी निंदा और परिवार तथा दोस्तों की ओर से दबाव होता है। यदि आप परमेश्वर का आदर तब भी करते है जब कोई त्यौहार या संस्कृतिक कार्यक्रमों को मनाते है, तव यह बिल्कुल सही है। सावधानी से विचार करें कि आपका हृदय कहा¡ है। |

*संसारिक अभ्यासों के कौन से उदाहरण है जो आपके समुदाय में पारिवारिक जीवन में प्रवेश कर चुके हैं?*
*किस प्रकार की मूर्तियों के सामने आप जानबूझकर या अनजाने में दण्डवत करते हैं?*
*क्या मसीही परिवार अपने पुराने विश्वासों के किसी चीज को पकड़े हुए हैं?*
*किस प्रकार राजनैतिक प्रणाली, सरकार, विज्ञान या मानववाद की पूजा स्वयं को पारिवारिक जीवनों में प्रदर्शित करते हैं?*

### भौतिकवाद

हमारे संसार में आज, चीजों का उत्पादन शीघ्रता और सस्ते में किया जाता है, और ऐसा लगता है नये चीजों का उत्पादन

| |
|---|
| का अन्त कभी नहीं होगा। हमारे जीवन का मुख्य लक्ष्य धन और सम्पत्ति का पीछा करना और जमा करना भैतिक वाद कहलाता है। भौतिक सफलता एवं संसारिक महत्व के पीछे भागना मूर्तिपूजा है, और परमेश्वर की दृष्टि में पाप है। |

| **कैसे यह परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा** |
|---|---|---|
| अच्छी चीजों और प्रयोग में आने वाले औजारों की तारीफ करना अच्छी बात है, लेकिन जब हम कुछ चीज के होने की इच्छा रखते है क्योंकि वह चीज दूसरों के पास है, तब हम लालच करते हैं। बच्चे और जवान कुछ पाने के लिये अपने आपकी तुलना दूसरों के साथ करते हैं जैसा की वह संसार में अपना स्थान पाने की कोशिश कर रहे हों। अधिक पैसा बनाना नये नये खिलौने के होने और सबसे बेहतर बनने की कोशिश एक परिवार को बिखेर सकती है। बच्चे माता–पिता से और माता–पिता एक दूसरे से नाराज रहते है वे ऐसे चीजों की तालाश करते हैं जिनसे वे कभी भी संतुष्ट नहीं होगे। | कुलुस्सियों 3:5, 4:2<br><br>निर्गमन 20:17<br><br>1 तीमुथियुस 6:10<br><br>प्रेरितों के काम 20:33.35 | भौतिक चीजों की लालसा से लड़ने के लिये आपको परिवार, समुदाय और परमेश्वर के प्रेम को महत्व देना और एकत्र करना चाहिए। यह जतायें कि आप लोगों की कीमत उनके चरित्र से करते हैं उनकी सम्पत्ति से नहीं 'आशीषों को गिनने' और आत्मिक वरदानों को जिन्हें परमेश्वर ने आपको दिया है पहचानने में समय बीतायें। आपका परिवार जरूरत मंदो के लिये दान एवं मिशन कार्यों के लिये दे सकता है,यह दिखाना कि धन जमा किये जाने की अपेक्षा परमेश्वर के उददेश्य के लिये एक हथियार हैं। अपने समय और धन को दूसरों की सेवा के लिये इस्तेमाल कीजिए। |

*एक बच्चे के रूप में आपके मन में कौन सी चीज़ पाने की लालसा की थी जिसका खर्चा आपका परिवार उठाने में असमर्थ था?*
*किस तरह परिवार भौतिक चीजों पर अपना ध्यान को व्यक्त करते हैं अपने बच्चों के लिये अपनी इच्छाओं को, जैसे कि किससे वे विवाह करेंगे, कौन सा काम उनके पास होगा, या क्या वे प्राप्त करेंगे?*
*कैसे एक परिवार अपनी आत्मिक आशीषों को लगातार अपने आपको याद दिला सकता है?*
*मिलकर उदारता से देने और दूसरों की सेवा करने के द्वारा एक परिवार भौतिक वाद से कैसे लड़ सकता है?*

## आर्थिक दबाव

परिवार अकसर आर्थिक दबाव से संघर्ष करते हैं। काम मिलने और ज्यादा पैसा कमाने का दबाव बहुत ज्यादा हो सकता है। कर्ज चुकाने का, चीजों का खत्म होना, और अपने परिवार के लिये पूर्ति करना व्यक्तिगत को सस्ते चीजों का चयन और एक दूसरे से नाराज होने का कारण हो सकता है।

| **कैसे यह एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा** |
|---|---|---|
| जब माता–पिता धन के बारे में परेशान होतें हैं, उन्हें ऐसे चीजों का चयन करना पड़ता है जो आम तोर पर उन्हें नहीं करना चाहिए। इसमें बच्चों को स्कूल से निकाल देना और काम पर लगा देना, या वयस्क बच्चों से उनके पारिवारिक जीवन की तैयारी करने की अपेक्षा अपने माता–पिता की सहायता का मांग करना शामिल हो सकता है। धन के लिये लड़ाई एक पति और पत्नी को अलग कर सकता है। कभी–कभी व्यक्ति | इब्रानियों 13:5<br><br>सभोपदेशक 5:10<br><br>मत्ती 6:31-33<br><br>मत्ती 6:19-21 | हमारी पूर्ति के लिये सबसे पहले हमें परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए। दूसरी बात, हमें अपने हाथों से काम करना और अपने समय और हुनर के साथ योग्य बनने के रास्ते ढूंढने चाहिए। तीसरी बात, परिवार के खर्चों के बजट एक साथ मिलकर बनाना चाहिए, जिसमें वे टिकें रहें। चौथी बाात, उन्हें बुद्धिमानी से आर्थिक योजना पद्धतियों पर चलना चाहिए। उन्हें एक समूह के रूप में विचारों का आदान–प्रदान और एक साथ |

| | | |
|---|---|---|
| को काम की तलाश में अपने परिवार से दूर जाना पड़ता है। इस प्रकार के संघर्ष सच में होते है और संसार के चारों ओर परिवार को प्रभावित करते हैं।<br><br>सबसे खतरनाक समय तब आता है जब आर्थिक परेशानी एक परिवार को बिखेर देता है और व्यक्तिगत एक दूसरे पर नाराज होने लगते हैं, जबकि उन्हें सब की भलाई के लिये एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। | | काम करना चाहिए। इसमें पूरे परिवार को काम की तलाश में आगे बढ़ने, छोटे से घर से तृप्त होने, या दूसरे चीजों का त्याग करने का जरूरत हो सकता है।<br><br>याद रखें, एक साथ होने का घड़ी परिवार की एकता के लिये महत्वपूर्ण है! पमेश्वर ने जो आपको दिया है उस पर ध्यान दें और बुनियादी जरूरतों की पूर्ति के लिये उस पर विश्वास कीजिए। |
| *आपके समुदाय में लोगों को आर्थिक दबाव का क्या अनुभव है? क्या जीने के लिये अधिक पैसे बनाना कठिन है?*<br><br>*पारिवारिक एकता का क्या परिणाम होता है जब आर्थिक दबाव चरम पर होता है?*<br><br>*एक परिवार आर्थिक समस्या के समाधान के लिये कैसे एक साथ मिलकर काम कर सकता है?*<br><br>*कैसे एक परिवार अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिये परमेश्वर पर आश्रित हो सकता है?* | | |

## विवाह के महत्व को कम करना

थोड़े और थोड़े लोग विवाह करते हैं, और संसार के अध्किांश भागों में ज्यादा से ज्यादा पूरा में से आधा विवाह तलाक में समाप्त हो जाते हैं। यौन नजदीकता को विवाह के सुरक्षा के भीतर अनुभव करने के बदले, बहुत से लोग विवाह के बाहर इस्तेमाल करते हैं। जब विवाह का सम्मान नहीं किया जाता वैवाहिक जोड़े का मिलना बहुत मुश्किल होता है। इस प्रकार विवाह के महत्व को कम करना वैवाहिक रिश्तों से बाहर बच्चों का जन्म होना, घातक बीमारी और हृदय आघात और बहुत से समस्याओं का कारण बनता है।

| **कैसे यह एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **परिवार की सुरक्षा:** |
|---|---|---|
| बहुत से कारण है कि क्यों लोग विवाह किये जाने की अपेक्षा ऐसे ही एक साथ रहना पसंद करते हैं, समर्पण का डर, पैसों की कमी, और यौन के प्रति आकस्मिक व्यवहार होता है। लोग लोग ऐसे ही विवाह से मायारहित हो जाते हैं। यह समाज में अस्थिरता का कारण होता है – बच्चे अपने पिता को नहीं जानते, पिता अपने परिवार के प्रति समर्पित नहीं होते, और बच्चे बिना सुरक्षित पारिवारिक वातावरण में बड़े होते हैं। जिस प्रकार समाज विवाह के महत्व को कम करता है, जीवन साथी पाना मुश्किल हो सकता है। तलाक एक आम बात है। कुछ देशों में सम–लैगिंक विवाह और बहु विवाह की अनुमति है, जो बाइबल के विरूद्ध है। विवाह के महत्व को कम करना अकसर | इब्रानियों 13:4<br><br>मत्ती 5:32<br><br>1 थिस्सलुनीकियों 4:3-5<br><br>1 कुरिन्थियों 7:2<br><br>1 कुरिन्थियों 6:9-10 | पहली चीज जो एक सम्पत्ति विवाह के महत्व को कम करने से लड़ सकता है वह विवाह के बाइबल आधारित आदर्श को पकड़े रखना है। यह विवाह होने तक पवित्र धर्मपरायण तथा विवाह के बाद विश्वास योग्य बनाये रखता है। दूसरों के विवाह का सम्मान करें और युवा पीढ़ी को भी यही सीखाए¡। यदि आप विवाहित हैं अपने बच्चों के लिये सुन्दर विवाह का एक उदाहरण बने। बच्चों को सही जीवन साथी के बारे में सलाह दें, और उनको समाज के लिये विवाह अच्छा है, आजादी का खत्म होना नहीं है, बातों के बारे में सोचने के लिये उत्साहित करें। पति और पत्नी को एक दूसरे के बारे में बोलने में और उनका विवाह उनके बच्चों का आस पास होने पर सावधनी रखनी चाहिए और अपने विवाह को निरन्तर |

| | | |
|---|---|---|
| औरतों और बच्चों को नुकसान पहुंचाता है समाज के सबसे ज्यादा चोटखाए सदस्य। | | मजबुत बनाये रखना चाहिए विवाहित या अविवाहित, हम हर एक को विवाह का महत्व समझना चाहिए क्योंकि परमेश्वर ने इसे तैयार किया है। यधपि हमने बीते समय में इसका महत्व नहीं समझा परन्तु आज ही हम इसकी शुरूआत कर सकते हैं। |

*आपके समुदाय में विवाह के महत्व को कम आंकने के क्या कारण हैं? क्या परिणाम हुए हैं?*
*क्या आप लोगों को जानते हैं जो समर्पण करने के लिये संकोच करते है? समर्पण से हम क्या पा सकते हैं?*
*किस प्रकार का तनाव बच्चों में होता है जब वे बिना पारंपरिक पारिवारिक नमुना के बड़े होते है? इस परिस्थिति में कलीसिया किस प्रकार बच्चों की सहायता कर सकती है?*
*किस प्रकार कलीसिया विवाह के सकारात्मक दृष्टि को उत्साहित कर सकती है? जो लोग चोट खाए हैं उन्हें यह कैसे अनुग्रह दे सकती है?*

## पिता की अनुपस्थिति

एक ओर विवाह के महत्व को कम करने का प्रभाव पिता की अनुपस्थिति है। यह तब होता है जब पुरूष और औरत का एक दूसरें के साथ कोई समर्पण नहीं होता है, परन्तु बच्चें का साथ होना बुरा होता है। बच्चे अपने पिता को जाने बिना बढ़ते है और बिना आर्थिक, भावनात्मक, और सुरक्षा प्रदान करने वाला सहारा जो पिता दे सकता है। इसी तरह, औरते भी अपने माता होने की भूमिका को त्याग देते हैं, जो कि उसी के समान नुकसान देह है।

| **कैसे यह एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा:** |
|---|---|---|
| पिता की गैर मौजुदगी हमारी दुनिया में समस्या को उत्पन्न करता है। बच्चे और जवान वयस्कों को पिता के उदाहरण की जरूरत है। एक पिता उसके परिवार को पहचान एवं सुरक्षा प्रदाान करता है, जिसके बिना पहचान पाने के लिये बच्चे अपने समकक्ष व्यक्ति या अधिक नुकसान देह प्रभावों की ओर देखने लगते है। बिना पिता के आय के, एक त्यागी हुई माता के ऊपर अधिक पैसे कमाने का अतिरिक्त बोझ आ जाता है, और बच्चों की देखभाल के लिये उसके पास थोड़ी ही समय होता है। बिना पिता के जीना बच्चों में भावनात्मक और व्यावहारिक मुदों के कारण हो सकते हैं, और उनके स्वाभिमान और सफल होने की योग्यता को चोट पहुंचाता है। वे अपने बारे में सोच सकते है कि अपने पिता के थोड़े कीमत के है। यह बच्चे का अपने स्वर्गीय पिता परमेश्वर पर भरोसा रखने की योग्यता को भी नुकसान पहुंचा सकता है! पिता लोगों के पास एक बहुत बड़ी भूमिका होती है परिवारिक इकाई में निभाने के लिये – बिना उनके, परिवार बिखर जाता है। | नीतिवचन 4:1-9<br><br>उत्पत्ति 18:19<br><br>नीतिवचन 13:24<br><br>1 तीमुथियुस 6:11<br><br>1 कुरिन्थियों 16:13 | परमेश्वर चंगाई ला सकता है और घावों को भर सकता है जो संसारिक पिता के गैरमौजुदगी के कारण आता है। परन्तु यह ज्यादा अच्छा होगा कि बच्चे परमेश्वर के बारे में और अपने पिता से ईश्वरीय जीवन कैसे जीना हैं, सीखें। जवान लड़कों को जिम्मेदारी, भाई बहनों की देखभाल, कठिन परिश्रम, और अपने समर्पण का सम्मान करना सीखाएं। कलीसिया के प्राचीन (बड़े–बुजुर्ग) पुरूषों को परिवार के लिये समर्पण के महत्व को सीखाएं, और जो लोग इस जिम्मेदारी बचते है उन्हें दण्ड पायेंगे यदि जवान पुरूष, अच्छे पुरूष और पिता का उदाहरण बिना ईश्वरीय गुणों के है तो कलीसिया ऐसे उदाहरण प्रदान कर सकता है। परमेश्वर के जन (पुरूष) को युवा पुरूषों को चेला, प्रशिक्षण और सीखाना चाहिए। यदि आपका परिवार बिना पिता के है, परमेश्वर, आपके स्वर्गीय पिता पर आश्रित रहें, दूसरे पुरूष को खोजे जो आपके बच्चों के लिये एक उदाहरण हो और आपके को ज़िम्मेदारी के बारे में सीखाना हो। |

आपके समुदाय के परिवारों में अनुपस्थित पिताओं की क्या प्रतिशत मात्रा है?

जबकि पिता लोग शारीरिक तौर पर मौजूद होते हैं, कौन से दूसरे तरीके है जिन्हें पिता कभी अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिये करते हैं? पत्नी और बच्चों में इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

कलीसिया अपने परिवारों के प्रति ज़िम्मेदार मुखिया होने के लिये पिताओं की क्या सहायता कर सकती है?

## जवानों द्वारा विद्रोह

माता– पिता अकसर जवानों की शिकायत करते हैं जो विद्रोही और अनाज्ञाकारी होते हैं। यह कोई नयी परिघटना नहीं है! प्रारम्भ में बच्चे – केन और हाबिल भी विद्रोही थे! ज्ब बच्चे ज्यादा आत्म निर्भर और माता–पिता का उन पर नियंत्रण को पसंद नहीं करते तब विद्रोह के समय से होकर जाते है! गंभीर विद्रोह एक परिवार को खत्म कर सकता है।

| **कैसे यह एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा:** |
|---|---|---|
| जब बच्चे अपने माता–पिता की आज्ञा मानने से इंकार करते है और पाप से भरे कामों में शामिल होता है, तब यह माता–पिता के लिये अति चिंता की बात हो जाती है। कभी कभी जवान लोग कलीसिया को छोड़ देते है और परमेश्वर की ओर अपना पीठ कर देते। कुछ समाज में युवा लोग आत्म निर्भर के रूप में देखें जाते हैं जब वे अपने परिवार में आर्थिक योगदान देना शुरू करते हैं। दूसरे समाज में युवा पीढ़ी तब आत्मनिर्भर के रूप में देखे जाते है जब वे किसी प्रकार अपने माता–पिता पर निर्भर नहीं होते हैं। इन दोनों मामलों में, युवा पीढ़ी विद्रोह कर सकते हैं, या तो परिवार को योगदान करने के इंकार से या फिर लगातार बिना जिम्मेदारी के उस पर आश्रित होकर। जब युवा लोग अपने माता–पिता का सम्मान औरर आदर नहीं करते, तब परिवार की स्थिरता डगमगा जाती है, रिश्तों में मनमुटाव और परमेश्वर के स्वरूपता को दिखाने परिवार की योग्यता की रोकथाम उत्पन्न हो जाती है। | इफिसियों 6:1-4<br>नीतिवचन 22:6<br>नीतिवचन 13:24<br>इब्रानियों 12:9-11<br>लूका 15:11-32<br>सभोपदेशक 11:9<br>भजन संहिता 119:9<br>1 कुरिन्थियों 15:33 | इस विषय पर बाइबल आधारित बुद्धिमानी है कि माता–पिता को अपने बच्चे को उस मार्ग की शिक्षा देनी चाहिए जिस पर वह चलना चाहता है, अनुशासन में विश्वास योग्य बने, परन्तु बच्चों को गुस्सा नहीं दिलाना चाहिए हमें अपने बच्चों से प्रेम उनकी रक्षा और अपने व्यवहार और विश्वास में नमुना बनने के लिये उन्हें उत्साहित करना चाहिए। हमें अनुशासन को ध्यान में रखते हुए उन्हें सही और गलत के बारे में सीखना चाहिए। जब बच्चे बुरी तरह से विद्रोह करते हैं, हमें कुछ समय के लिये उन्हें जाने देना चाहिए और फिर वापस घर आने पर क्षमा करते हुए उनका स्वागत करना चाहिए। यदि बच्चा जानबुझकर पाप कर रहा है तो हमें उसे अपने साथ रहने की अनुमति नहीं दे सकते यह भी एक अनुशासन है प्रार्थना करें कि बच्चा परमेश्वर से प्रेम करे और उसके पास लौट आये। कुल मिलाकर, सब बच्चे पाप करते हैं और कलीसिया को छोड़ देते हैं। हमें अपराधबोध महसुस नहीं करना है यदि हम उनसे प्यार करते, अनुशासित करते, और यीशु मसीह के सुसमाचार को उन्हें सीखाते थे। |

क्या ऐसा कोई उपाय है जिससे कि माता पिता अपने बच्चों को विद्रोह और उनकी जवानी में पाप करने से बचा सकते हैं?

माता पिता क्या कर सकते हैं यदि उनके बच्चे विद्रोही, विश्वास से इनकार और पाप का जीवन चुनते हैं?

बच्चे विद्रोही बनना कैसे सीखते हैं–या फिर ऐसा व्यवहार स्वाभाविक है?

## कार्य एवं पारिवारिक जीवन में संतुलन

बहुत से परिवार कार्य एवं पारिवारिक जीवन के बीच सन्तुलन बनाए रखने का प्रयास करते हैं। आर्थिक सुरक्षा के पीछे भागने से, वे एक दूसरे के साथ मिलकर समय बिताने को नज़रअन्दाज़ करते हैं। परिवाद एक परमेश्वर की ओर से मिला एक उपहार है, जिसका मतलब खुशियां मनाना और प्रेम बांटना है। जब परिवार के लोग एक दूसरे का नज़रअन्दाज करके काम को पहला स्थान देते हैं तब बच्चे को कष्ट उठाना पड़ता है और वे अपनी अहमियत नहीं समझ पाते।

| यह कैसे एक परिवार को प्रभावित करता है: | परमेश्वर का वचन क्या कहता है : | अपने परिवार की सुरक्षा करना |
|---|---|---|
| जब माता पिता परिवार के निर्वाह के लिए बहुत ज़्यादा काम करने लगते हैं तो बच्चे अपने तरीके से जीने के लिए छोड़ दिये जाते हैं। वे अनुशासन, शिक्षाओं, देखरेख व प्रेम को नहीं मानते। वे अपनी सुरक्षा के लिए किसी दूसरी चीज़ की ओर आकर्षित होने लगते हैं और माता–पिता की शिक्षा का कोई महत्व नहीं समझते। माता पिता को अपने बच्चों को भोजन और आवास से बढ़कर भी कुछ चीज़ें प्रदान करने की आवश्यकता होती है–उनका समय और उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। बच्चों को अनुसरण करने के लिए एक उदाहरण और अपने माता पिता के साथ घनिष्ट रिश्ता रखने की ज़रूरत होती है। दूसरी ओर हमें अपने काम में भी लापरवाही नहीं करना चाहिए–क्योंकि हमारा काम परमेश्वर की ओर से एक दान है। भलि भांति सन्तुलन बनाएं रखना एक कुंजी है। | उत्पत्ति 2:15<br><br>यूहन्ना 6:27<br><br>नीतिवचन 23:4<br><br>सभोपदेशक 3:1-8 | माता पिता को एक परिवार के रूप में एक साथ अच्छा समय बिताने के लिए दिन निर्धारित करना चाहिए। इसमें नियमित रूप से एक साथ भोजन करना, विशेष मौकों पर परिवार के साथ खुशियां मनाना जैसे कि जन्म दिन आदि पर। रिश्तों के बीच में अगर अनुशासन हो तो और भी सुन्दर ठहरता है। परिवार के साथ समय बिताना ठीक उतना ही ज़रूरी है जितना कि परिवार की ज़रूरतों को पूरा करना महत्वपूर्ण है। अपने को भावनात्मक व आत्मिक सहारा देना अनिवार्य है। धन हमारे रिश्तों की जगह नहीं ले सकता। |

क्या आपके लिए कार्य और पारिवारिक जीवन के बीच सन्तुलन बनाए रखना कठिन है? क्या यह सन्तुलन बनाए रखना आपके परिवार के लिए भी कठिन था?

आज संसार में कौन सी गड़बड़िया परिवारों को एक साथ समय व्यतीत करने से रोक रही हैं?

आपकी सबसे पसन्दीदा पारिवारिक गतिविधी क्या है? क्या आपकी संस्कृति परिवार के साथ मिलकर अच्छा समय बिताने को प्रोत्साहित करती है? क्या आपकी कलीसिया प्रोत्साहित करती है?

## नशे की आदत

नशे के बहुत से रूप हो सकते हैं: नशीले पदार्थ, मदिरा, जुआ और बुरी लालसाएं जो परिवारों को नष्ट कर देती हैं। परमेश्वर चाहते हैं कि हम सब आत्म–संयमी, मर्यादाशील और उसके आत्मा द्वारा नियंत्रित किये जाने वाले बनने पाएं, नुकसाने पहुंचाने वाले तत्वों या आदतों के द्वारा नहीं।

| यह परिवार को कैसे प्रभावित कर सकता है: | परमेश्वर का वचन क्या कहता है: | अपने परिवार की सुरक्षा करना: |
|---|---|---|
| इसमें कोई शक नहीं है कि नशे की आदत से एक परिवार बिखर सकता है। परन्तु कभी कभी इस गुप्त रखा जाता है। मदिरा और मादक पदार्थ शरीर को खराब कर देते हैं,जिसे परमेश्वर ने हमें दिया है। नशे की यह बुरी आदत हमारे धन को बर्बाद कर देती है, हमारी जीवन शैली को बदल देती है, और पारिवारिक जिम्मेदारियों के प्रति हमें लापरवाह बना देती हैं। इन नशीले पदार्थों में ज्यादा तर पैसे खर्च हो जाने की वजह से बहुत से बच्चे अपनी बुनियादी जरूरतों से वंचित रह जाते हैं। यह स्वार्थपूर्ण आचरण अधिकतर पैसों की तंगी की वजह से उत्पन्न होता है और आम तौर पर ऐसी आदतों के सुधार के लिए किसी न किसी को पहल करने की आवश्यकता पड़ती है। बच्चे परमेश्वर का सहारा न लेकर अपने माता को नशे का सहारा लेते देख स्वंय भी नशे का सहारा लेने लगते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप बहुत से लोग नशे के आदी बन जाते हैं। मादक पदार्थों का दुरूपयोग अपने परिवार के सदस्यों की चिंता करने और उनसे जुड़े रहने की क्षमता को प्रभावित करता है। | 1 कुरिन्थियों 10:13<br>1 यूहन्ना 2:16<br>1 कुरिन्थियों 15:33<br>रोमियो 12:2<br>नीतिवचन 20:1<br>नीतिवचन 6:27<br>इफिसियों 5:18<br>नीतिवचन 23:29-35 | यदि आपको नशे की लत है, तो सहायता लें। परमेश्वर पर भरोसा रखें, अपनी कलीसिया और उपलब्द चिकित्सों व विशेषज्ञों की सहायता लें। यह आत्मिक समस्या के साथ साथ एक शारीरिक समस्या भी है। नशे के कई रूप पाये जाते हैं। दवाईयों का और कई मामलों में शराब का सेवन करने का एक सही स्थान होता है। यदि उस पदार्थ के लिए आप की जरूरत आपके व्यवहार को प्रभावित करती है तो यह नशे की लत है। कुछ परिवार सभी मादक पदार्थों से पूरी तरह दूर रहने का फैसला करते हैं। वे विश्वास करते हैं कि एक छोटी सी चीज़ भी आग के साथ खेलने के समान है। जब बच्चों का पालन पोषण मज़बूत इरादों और उद्देश्य के साथ किया जाता है और वे अपने माता –पिता के प्रेम और अपनेपन को महसूस करते हैं तो उन्हें जीवन की सच्चाईयों का सामना करने में नशे का सहारा लेने की जरूरत नहीं पड़ती। अपने बच्चों को जानिए और उनके साथ एक अच्छा रिश्ता बनाये रखिए। उनके लिए प्रार्थना कीजिए। नशे की लत में पड़ने के खतरों से उन्हें आगाह करें। कभी कभी लोगों के लिए अपने नशे की लत को स्वीकार करना मुश्किल होता है। यदि आपको कोई आशंका हो तो अनुग्रह और प्यार से उनका सामना करें। |

*आपके समुदाय में नशा करने के लिए सबसे ज्यादा किस चीज़ का इस्तेमाल किया जाता है? नशे की आदत के शिकार परिवारों का क्या परिणाम होता है?*
*आप क्यों विश्वास करते हैं कि लोग नशीली चीजों के आदी हो जाते हैं?*
*आप उस व्यक्ति की किस तरह से सहायता करेंगे जो नशे की आदत से परेशान हो? इन परिवारों की कलीसिया कैसे सहायता कर सकती है।*
*कई मसीही लोग किसी प्रकार की मदिरा पीना, किसी भी प्रकार का जुआ खेलना और डाक्टर की सलाह के बिना किसी दवाई का सेवन करना पसन्द नहीं करते हैं। लेकिन, यीशु ने दाखमधु पी थी। इस बारे में आप क्या कहना चाहते हैं, क्या मसीही परिवार में मदिरा या दाखरस का सेवन करना अच्छी बात है? यह एक विवादास्पद विषय है?*
*क्या आप अपने बच्चों के साथ नशीले पदार्थों के सेवन,शराब और दूसरे प्रकार के खतरों के बारे में बात करते हैं? माता पिता*

*कैसे अपने बच्चों को कैसे आगाह कर सकते हैं?*

## मसीही विरोधी संस्कृति

हम ऐसी दुनिया में नहीं रहते जो हमेशा यीशु मसीह के मानने वालों का स्वागत करती है। कुछ देशों में, तब तक आपके मसीही होने से कोई दिक्कत नहीं होती जब तक आप अपने विश्वास को गुप्त रखते हैं। जबकि दूसरों स्थानों में आपको अपने विश्वास के लिए अपनी जान भी देनी पड़ सकती है।

| **यह किस प्रकार से एक परिवार को प्रभावित करता है:** | **परमेश्वर का वचन क्या कहता है:** | **अपने परिवार की सुरक्षा करना :** |
|---|---|---|
| हमारे बच्चों के लिए अपने माता पिता को विश्वास में जीवन व्यतीत करते देखना महत्वपूर्ण है। अपने आस पास के लोगों से अलग तरह से जीने का डर और तनाव परिवारों के अलग होने या सदस्यों के विश्वास छोड़ने का कारण हो सकता है। इससे नाराज़गी, दर्द या दुःख हो सकता है। कुछ परिस्थिति में बच्चे अपने विश्वास के कारण अपने स्थानीय स्कूल में सताव का सामना करते हैं। हम ऐसे संसार में रहते हैं। जो अकसर हमारी अलग अलग मान्यताओं को कष्ट पहुंचाते हैं, इसके बावजूद हमें अलग तरह से जीवन व्यतीत करना और अंधियारे संसार में रौशनी फैलाना चाहिए। बच्चे कभी कभी अपने संग रहने वाले लोगों के साथ बराबरी करने और उनके परिवार के विश्वास के बीच बंट जाते हैं। | 2 तीमुथीयुस 3:12<br><br>1 पतरस 4:12-14<br><br>1 यूहन्ना 3:13<br><br>नीतिवचन 29:27<br><br>यूहन्ना 15:18-25<br><br>मत्ती 5:16 | हमें यह जानना बहुत ज़रूरी है कि संसार सदैव यीशु का अनुसरण करने वाले लोगों को स्वीकार नहीं करता। संसार ने अपनी पीछ उसकी ओर फेरी और उसे मार दिया। वे लगातार उसके पीछे चलने वालों को सताते हैं। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि कैसे बुद्धिमानी से गैर विश्वासी लोगों से बात चीत करना है। अपने लिए और अपने परिवार, संगी विश्वासियों दुनिया भर में सताए जाने वाले लोगों के लिए प्रार्थना करें। हमें बच्चों को वचन में सिखायी गयी मान्यताओं और परमेश्वर के बचन पर भरोसा करना सिखाना चाहिए क्योंकि उन्हें गैर मसीहियों की ओर से भिन्न तरीकों द्वारा सताव का सामना करना पड़ सकता है। (सम्भवतः स्कूल में या पड़ोसियों द्वारा)। संसार में क्या हो रहा है और क्यों से परमेश्वर की मान्यताओं के विरूद्ध है, इस विषय को लेकर आपस में चर्चा करें। दूसरों से सुनी गयी बातों व बाइबल की शिक्षाओं की तुलना करें। प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर को ढूँढ़े ओर उसके पीछे चलें, संसार के पीछे नहीं। |

आप किसी प्रकार उस संसार का अनुभव करते हैं जो यीशु मसीह के पीछे चलने वालों के विरूद्ध तैयार किया गया है।
आपके समुदाय में सताव आपने आपको कैसे प्रगट करता है? परिवारों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?
कहां पर बच्चे मसीही विरोधी शिक्षाओं का सामना करते है? माता पिता अपने बच्चों को इसके लिए कैसे तैयार करते हैं?
संसार में रहते हुए भी, संसार का न होकर रहना क्यों कठिन है? इसमें क्या अन्तर है?

# चर्चा

- चर्चा किये गये मुद्दों में से कौन सी सबसे बड़ी चुनौति का सामना आपका परिवार कर रहा है?
- कलीसिया कैसे परिवारों को इन चुनौतियों का मिलकर सामना करने के लिए प्रशिक्षित कर सकती है?

# प्रार्थना

अध्याय का समामन प्रार्थना के साथ करें। प्रार्थना करें कि हर एक प्रतिभागी अपने परिवार को एकसाथ रखने के लिए यत्न से काम करे, परमेश्वर के स्वभाव को प्रगट करने वाले बने, जाति जाति के लोगों के लिए एक रौशनी, और सच्चाई के गवाह बनें। प्रार्थना करें कि वे संसार, शरीर और शैतान के अधीन न रहें परन्तु यत्न से परमेश्वर के पीछे चलने वाले बनें।